!! शुभ दीपावली !!

दैनिक

भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 106 शनिवार 7 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या—फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

सीसी बोल्डर रखकर डिवाइडर बनाए



—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। धनतेरस और दीपावली पर भीड़ को देखते हुए बस्ती के गांधी नगर मुख्य बाजार में यातायात पुलिस ने सीसी बोल्डर रखकर डिवाइडर बनाए हैं। अब आने और जाने वाले वाहन अलग—अलग लेन में चलेंगे। यातायात प्रभारी कुलदीप त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम क्रेन और ट्रक के साथ बाजार पहुंची। सड़क के बीच जगह—जगह सीसी बोल्डर रखकर लेन तय की गईं। कुलदीप त्रिपाठी मौके पर मौजूद रहे और पुलिसकर्मियों को दिशा—निर्देश दिए।

कुलदीप त्रिपाठी ने बताया कि त्योहारों पर खरीदारी के लिए बाजार में बड़ी संख्या में लोग आते हैं। जाम से बचने के लिए पहले से यह व्यवस्था की गई है। डिवाइडर से सड़क के बीच बेतरतीब पार्किंग पर रोक लगेगी और पैदल चलने वालों को भी सुविधा होगी।

गांधी नगर शहर का प्रमुख बाजार है। धनतेरस और दीपावली पर यहां कपड़े, बर्तन, आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक सामान और पूजन सामग्री खरीदने हजारों लोग पहुंचते हैं। हर साल भीड़ के कारण जाम लगता था।

व्यापारियों ने यातायात पुलिस की पहल का स्वागत किया है। कुलदीप त्रिपाठी ने लोगों से तय जगहों पर वाहन खड़ा करने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की। त्योहार के दौरान गांधी नगर समेत शहर के प्रमुख स्थानों पर यातायात पुलिस तैनात रहेगी।

थाने के सामने रूपया लेते दारोगा निलम्बित



—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। हर्रैया थाने के सामने सड़क पर एक व्यक्ति से रुपये और कागजात लेते वर्दीधारी उपनिरीक्षक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वीडियो में उपनिरीक्षक वर्दी पहने थाने के सामने सड़क पर खड़े एक व्यक्ति से रुपये और कागजात लेते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में कोई आवाज नहीं है। इसे कुछ महीने पुराना बताया जा रहा है। हालांकि, वीडियो किसने और कब बनाया, इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

बताया गया कि उपनिरीक्षक सुरेंद्र यादव कुछ महीने पहले हर्रैया थाने में तैनात थे। वर्तमान में उनकी तैनाती बस्ती के थाना एएचटीयू में है। वीडियो संज्ञान में आने के बाद एसपी ने उपनिरीक्षक को निलंबित कर विभागीय जांच के आदेश दिए। जांच में वीडियो की सत्यता, रुपये लेने के कारण और पूरे घटनाक्रम की पड़ताल की जाएगी। आरोप सही पाए जाने पर उपनिरीक्षक के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा सकती है।

झाड़ू की मांग बढ़ी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। धनतेरस के दिन बाजार में झाड़ू खरीदने वालों को लेकर होड़ दिखी। लोगों ने खरीदारी के साथ ही झाड़ू भी खरीदा जिससे लक्ष्मी जी प्रसन्न हो। ठेले पर भी झाड़ू बिकते देखे गये।

आपदा में मौत पर अब परिजनों को 8 लाख का मुआवजा



लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक आपदा से मौत की सूरत में अब प्रभावित परिवारों को 4 लाख के बदले 8 लाख रुपये मुआवजा मिलेगा। योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य आपदा मोचन निधि और राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) के तहत मिलने वाली आर्थिक सहायता के मानकों में बदलाव करते हुए मृत्यु पर मुआवजे की राशि 4 लाख से बढ़ाकर 8 लाख रुपये कर दी है। साथ ही फसल नुकसान, पशुधन की मौत और मकानों के क्षतिग्रस्त होने पर मिलने वाली सहायता राशि भी बढ़ाई गई है। प्राकृतिक आपदा के दौरान मौत और नुकसान के अलग—अलग मानकों पर बढ़ा मुआवजा वित्त वर्ष 2026—27 से 2030—31 तक प्रभावी रहेगा।

राहत आयुक्त ह्रषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि प्राकृतिक आपदा में गाय, भैंस, घोड़े और ऊंट जैसे बड़े पशुओं की मौत पर अब 40 हजार के बजाय 50 हजार रुपये मिलेंगे। बकरी, भेड़ और सूअर की मौत पर सहायता चार हजार से बढ़ाकर 5500 रुपये कर दी गई है। मुर्गीपालकों को प्रति मुर्गी 100 के बजाय 130 रुपये दिए जाएंगे। भार ढोने वाले पशुओं की क्षति पर मुआवजा 20 हजार से बढ़ाकर 25,400 रुपये किया गया है।

सरकार ने किसानों को भी राहत दी है। सिंचित क्षेत्र में फसल बर्बाद होने पर सहायता 17 हजार से बढ़ाकर 22 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर कर दी गई है। वर्षा आधारित क्षेत्रों में यह राशि 8500 से बढ़ाकर 11 हजार रुपये होगी। बागवानी और कृषि वानिकी की फसलों के नुकसान पर 22,500 के बजाय 30 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर मिलेंगे। गन्ने की फसल के लिए सहायता 7500 से बढ़ाकर 9800 रुपये और रेशम उत्पादन से जुड़ी फसलों के लिए छह हजार से बढ़ाकर 7800 रुपये प्रति हेक्टेयर कर दी गई है। राहत आयुक्त के मुताबिक, एक अप्रैल से चार नवंबर 2026 तक प्रदेश के 10,02,684 किसानों की करीब 52 लाख 14 हजार हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है।

डॉन बबलू श्रीवास्तव बरी



लखनऊ (आभा)। डॉन बबलू श्रीवास्तव को लखनऊ सीबीआई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने बबलू श्रीवास्तव को दोषमुक्त करते हुए रिहा कर दिया है। 20 साल पहले कोलकाता के होटल लिंगटन के मालिक का अपहरण हुआ था। इस केस में बबलू श्रीवास्तव का भी नाम आया था। उस समय बबलू श्रीवास्तव प्रयागराज की नैनी जेल में बंद थे।

आरोप था कि जेल में रहते हुए बबलू श्रीवास्तव अपनी गैंग चला रहे थे। उन्होंने जेल में बैठकर ही होटल मालिक का अपहरण करवाया था। लखनऊ की सीबीआई कोर्ट में बबलू श्रीवास्तव का केस चल रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बबलू श्रीवास्तव की ओर से उनके वकील जिशान अल्वी ने कोर्ट में दलीलें रखी थीं। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद सीबीआई कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया। कोर्ट ने बबलू श्रीवास्तव को दोषमुक्त करते हुए मामले में बरी कर दिया।

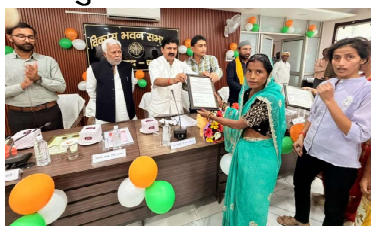
दबंगो से जान माल का खतराः नामजद अभियुक्तों के गिरफ्तारी की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। नगर पुलिस ने सीजेएम के आदेश पर नगर थाना क्षेत्र के बक्सर निवासी नूर आलम, आफताब आलम, मेहताब आलम, अशफाक अहमद पुत्रगण मीर हसन और अरहान अहमद पुत्र अशफाक के विरुद्ध बी. एनएस. की धारा 191 (2), 352, 351 (3), 131, 304 (2) के तहत नामजद मुकदमा दर्ज किया है।

नगर पुलिस ने कुनाई निवासी राकेश कुमार यादव पुत्र स्व. रामराज की तहरीर और सीजेएम के आदेश पर मुकदमा तो दर्ज कर लिया किन्तु अभी तक दोषियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई है। राकेश कुमार यादव ने बताया कि विपक्षी दबाव बना रहे हैं कि मामले में फाइनल रिपोर्ट लगा दिया जाय। राकेश के अनुसार उक्त लोग काफी दबंग और प्रभावशाली है इसी कारण से नगर पुलिस ने उनका मुकदमा तक दर्ज नहीं किया और न्याय के लिये अदालत की शरण लेनी पड़ी। बक्सर निवासी नूर आलम आदि पूरी तरह से मनमानी कर रहे हैं और विपक्षियों से उन्हें और उनके परिवार को जान माल का खतरा है। राकेश कुमार ने दोषियों की गिरफ्तारी और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों मैं नियुक्ति पत्र का वितरण



—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। जनपद में नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा बताया गया कि जनपद में आंगनबाड़ी कार्यकत्री के 138 पद रिक्त थें, जिसमें से 132 पदों पर चयन की कार्यवाही पूर्ण कर ली गयी है। विकास भवन समागार में नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में उपाध्यक्ष गौ सेवा आयोग महेश शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, विधायक प्रतिनिधि सरोज मिश्रा, एम०एल०सी० प्रतिनिधि हरीश सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुये जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा स्वागत उद्बोधन में बताया गया कि पूर्व में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के काफी पद रिक्त थे, परन्तु नवीन शासनादेश निर्गत होने के उपरान्त मिशन रोजगार के तहत समस्त रिक्त पदों को भरने की कार्यवाही की गयी है। जनपद में आंगनबाड़ी कार्यकत्री के कुल 2655 पद हैं तथा सहायिका के भी इतने ही पद स्वीकृत हैं।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बधाई देते हुए विभाग में उनकी भूमिका एवं दायित्वों पर प्रकाश डाला गया तथा बच्चों के पोषण प्रबंधन हेतु पहल किये जाने पर बल दिया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बधाई देते हुए बताया गया कि गांव में तथा अपने क्षेत्र में सभी महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें तथा जनपद के सभी बच्चों की पोषण स्थिति को बेहतर करने का प्रयास करें।

एडी बेसिक, बीएसए के आश्वासन पर माने शिक्षकः 19 तक पदोन्नित आदेश जारी न हुआ तो 20 से आन्दोलन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शुक्रवार को धनतेरस के दिन उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल के नेतृत्व में शिक्षकों और पदाधिकारियों ने 15 सूत्रीय मांगों को लेकर धरना दिया। सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक संजय शुक्ल और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार तिवारी के आश्वासन पर धरना 19 नवम्बर तक के लिये स्थगित कर दिया गया।

संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने बताया कि शिक्षकों की पदोन्नित, प्रभारी प्रधानाध्यापकों के वेतन भुगतान, अनियमित रूप से काटे गये जीआईएस की वापसी, नगर क्षेत्र के शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी कर पदोन्नित करने सहित अन्य मांगों को लेकर संघ द्वारा निरन्तर आन्दोलन, धरना और ज्ञापन दिया जा रहा है किन्तु समस्यायें जस की तस बनी हुई हैं। चेतावनी के लहजे में कहा कि यदि 19 नवम्बर तक समस्याओं का निस्तारण न हुआ तो 20 नवम्बर से संघ द्वारा बीएसएस कार्यालय के समक्ष अनिश्चित कालीन अनशन शुरू किया जायेगा।

यह जानकारी देते हुये जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि धरने में संघ के जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनन्द दूबे, शैल शुक्ल, सतीश शंकर शुक्ल, रजनीश मिश्र, सन्तोष शुक्ल, ओम प्रकाश पाण्डेय, अमित पाण्डेय, सुखराज गुप्ता, मुक्तिनाथ वर्मा, रक्षाराम वर्मा, सुनील तिवारी, राजीव पाण्डेय, नरेन्द्र दूबे, विनोद यादव, प्रदीप मिश्र, ज्ञानेश्वर शुक्ल, आशुतोष पाण्डेय, चन्द्रिका सिंह, दिवाकर सिंह, विजय पाण्डेय, मारूफ अहमद, अमरेश द्विवेदी, योगेश्वर शुक्ल, ओंकार उपाध्याय, जर्नादन शुक्ल, रीता शुक्ला आदि ने कहा कि वरिष्ठता सूची जारी कर पदोन्नति पूरी करने, इंचार्ज प्रधानाध्यापकों के वेतन का भुगतान करने, जीआईएस-जीआईएसएस से जुड़े लंबित भुगतानों का निस्तारण करने, आकस्मिक अवकाश और वेतन कटौती की समस्यएं दूर करने तथा निलंबित शिक्षकों के मामलों का जल्द निस्तारण, जनगणना ड्यूटी में आ रही परेशानियों को दूर करने आदि का मुद्दा उठाया। संचालन कैलाशनाथ ने किया।



—धनतेरस के दिन मजबूरी में शिक्षकों ने धरना दिया— उदयशंकर शुक्ल

धरना और ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से आनन्द शुक्ल, जगनरायन वर्मा, अजीज अहमद अंसारी, प्रेमशंकर वर्मा, संजय कुमार कन्नौजिया, लालेन्द्र कुमार, उपेन्द्र पाण्डेय, कमलेश यादव, उमेश चन्द्र वर्मा, अखिलेश कुमार, विवेक उपाध्याय, रघुवर दयाल, भगवानदास, भानु प्रताप सिंह, रामलखन दूबे, उमाशंकर मणि त्रिपाठी, दिनेश कुमार, सुनील पाण्डेय, शिवाजी पाण्डेय, रविन्द्रनाथ, वैभव प्रसाद, विनय कुमार, विवेक कुमार शुक्ल, नरसिंह यादव, संजय कुमार सिंह के साथ ही अनेक शिक्षक और संघ पदाधिकारी शामिल रहे।

धनतेरस पर सजी दूकानें, करोड़ों का कारोबार



—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। धनतेरस पर जिले के ऑटोमोबाइल सेक्टर में तेजी देखने को मिली। शुभ मुहूर्त में नया वाहन खरीदने की परंपरा के चलते दोपहिया और चारपहिया वाहनों की खरीदारी के लिए सुबह से ही एजेंसियों पर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। दूकाने सजी, बरतन और मिठाई की दूकानों पर लोग उमडे। झाडू की भी खूब बिकी हुई। अपनी पसंद और बजट के अनुसार लोगों ने वाहनों की बुकिंग और खरीदारी की। इससे ऑटोमोबाइल कारोबारियों के चेहरे खिल उठे। हरदिया चौराहा स्थित मारुति सुजुकी शोरूम में ही धनतेरस पर 60 वाहनों की बुकिंग हुई, 10 करोड रुपए से अधिक के ये वाहन हैं।

शोरूम के प्रबंधक ने बताया कि बुकिंग के सापेक्ष ग्राहकों को धीरे—धीरे वाहनों की डिलीवरी दी जा रही है। त्योहार के मौके पर ग्राहकों में वाहन खरीदने को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। धनतेरस को नई वस्तुओं और वाहनों की खरीदारी के लिए शुभ माना जाता है। इसी मान्यता के चलते लोग परिवार के साथ वाहन एजेंसियों पर पहुंचे।

ग्राहकों ने अपनी पसंद के मॉडल, रंग और फीचर्स की जानकारी लेने के बाद वाहन खरीदने का निर्णय लिया। कई लोगों ने पहले से बुकिंग करा रखी थी, जबकि कुछ ग्राहकों ने मौके पर ही वाहन पसंद कर खरीदारी की।

यूजीसी काले कानून को लेकर 75 वें दिन मेधा का धरना स्थगितः दिल्ली कूंच की तैयारी



—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। मेधा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दीनदयाल त्रिपाठी के नेतृत्व में गांधी कला भवन के परिसर में स्थित बापू प्रतिमा के समक्ष 75 दिन तक चला अनवरत धरना धनतेरस के दिन स्थगित कर दिया गया।

मेधा प्रवक्ता दीनदयाल त्रिपाठी ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि यूजीसी के काले कानून की वापसी, एस.सी. एस.टी. एक्ट में संशोधन की मांग को लेकर चरणबद्ध आन्दोलन जारी रहेगा। मेधा नेता सुनील भट्ट ने बताया कि 10 जनवरी को देश के विभिन्न राज्यों के संगठनो के पदाधिकारी, सदस्य मांगों के समर्थन में दिल्ली पहुंचेंगे और निर्णायक आन्दोलन को गति दी जायेगी।

75 दिन तक चले अनवरत धरने के समापन के दिन मुख्य रूप से उमेश पाण्डेय मुन्ना, रूद्र आदर्श पाण्डेय, वृजेश द्विवेदी, दीपक शुक्ल, राहुल तिवारी, विशाल सिंह, विपुल सिंह, अजय चौधरी, अंशू चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं की एकजुटता से भाजपा फिर बनायेगी सरकार— मंजू श्रीवास्तव



—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी की महिला जिला अध्यक्ष एवं रौतापार वार्ड की सभासद श्रीमती मंजू श्रीवास्तव ने जनपदवासियों को दिवाली, धनतेरस, एव भैयादूज की हार्दिक शुभकामनायें दिया है। उन्होने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुये कहा कि पार्टी ने जिलाध्यक्ष के रूप मे अति महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करूंगी और आधी आबादी को भाजपा से जोड़कर 2027 मे उत्तर प्रदेश मे भाजपा की सरकार बनाने मे सम्पूर्ण योगदान दूंगी।

मंजू श्रीवास्तव ने कहा जिस तरह देशभर मे माहौल मे अराजकता का जहर घोलकर गलत संदेश फैलाया जा रहा है, ऐसे मे आधी आबादी की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। बड़ी संख्या मे महिलाओं को पार्टी से जोड़कर गांव, गली मोहल्लों से लेकर जिला मुख्यालय तक महिला शक्ति को मजबूत किया जायेगा जिससे एक बार फिर सबका साथ सबका विकास की मंशा साकार हो सके। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, जिला एवं शीर्ष नेतृत्व सहित तमाम वरिष्ठ नेताओं ने जिलाध्यक्ष के रूप मे पार्टी की सेवा और आम जनता के साथ खड़े होकर उन्हे पार्टी की विचारधारा से जोड़ने का मौका दिया है।

जिलाध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिये जाने के लिये मै आजीवन ऋणी रहूंगी। मंजू श्रीवास्तव ने कहा वर्षों से रौतापार की सम्मानित जनता के विश्वास और आशीर्वाद से सेवा करने का अवसर मिल रहा है। गली मोहल्लों मे साफ सफाई का पूरा ध्यान रखा जा रहा है, विशोष रूप से तीज त्योहारों ओर पारिवारिक समारोहों मे विशेश प्रबंध किया जाता है निश्चित रूप से वाड्र के लोगों के आशीर्वाद से लगातार अच्छा करने की ताकत मिल रही है। मंजू श्रीवास्तव ने भरोसा दिलाया की सेवाभाव निरन्तर जारी रहेगा। दिवाली पर्व पर मंजू श्रीवास्तव साधना देवी, मंजू यादव, पूजा, सीमा, वन्दना, राधा देवी, साधना श्रीवास्तव, बबिता आर्या, सुगना देवी, श्यामकली, पुष्पा जायसवाल के साथ वार्ड मे लगातार सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर रही हैं।

आदर्श नगर पंचायत गनेशपुर की अध्यक्ष सोनमती चौधरी ने बांटा दीपावली का उपहार



—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शुक्रवार को आदर्श नगर पंचायत गनेशपुर की अध्यक्ष श्रीमती सोनमती चौधरी ने दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में कर्मचारियों में उपहार भेंट किया। कहा कि कर्मचारियों के प्रयास से ही नगर पंचायत में विकास के कार्य प्राथमिकता से सम्पन्न कराये जा रहे हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने कहा कि दीपावली का पर्व अंधकार से प्रकाश की यात्रा है। कहा कि खुशियों के इस पर्व में उनका भी साथ दें जो आपका इंतजार कर रहे हैं। बांटने से खुशियां बढती हैं।

अधिशासी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि नगर पंचायत में प्राथमिकता के साथ विकास कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने दीप पर्व की मंगलकामना व्यक्त किया।

—दीपावली में खुशियों को साझा करें—दयाराम चौधरी

इस अवसर पर मुख्य रूप से सभासद रेशमा देवी, निर्मला देवी, अंकित कुमार, ब्रम्हाप्रसाद, मो. फरहान, इन्द्रजीत यादव, मो. फारूख, सुमन, गणेश कुमार, शिवनरायन चौधरी, दुर्गेश सोनकर, पूजा, सुनीता देवी, मधु श्रीवास्तव, मो. मुख्तार, दुर्गेश चौबे, प्रकाश निषाद, अरूण सोनकर के साथ ही नगर पंचायत गनेशपुर के कर्मचारी और स्थानीय नागरिक, भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 7 नवम्बर 2026 शनिवार

सम्पादकीय

दीपोत्सव का संदेश

दीपावली केवल दीपों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और अधर्म पर धर्म की शाश्वत विजय का महाउत्सव है। शरद ऋतु की अमावस्या की काली रात को जब देश का कोना—कोना अनगिनत दीयों की रोशनी से जगमगा उठता है, तो ऐसा प्रतीत होता है मानो धरती पर देवता स्वयं उतर आए हों। दीपावली भारतीय संस्कृति का वह दर्पण है, जिसमें हमारी पौराणिक मान्यताएं, पारिवारिक मूल्य और सामाजिक समरसता पूरी भव्यता के साथ दिखाई देती हैं। दीपावली के उत्सव से हफ्तों पहले ही घरों और बाजारों में एक नई ऊर्जा का संचार होने लगता है। लोग अपने घरों की साफ—सफाई, रंग—रोगन और सजावट में जुट जाते हैं। इसके पीछे यह गहरा विश्वास है कि स्वच्छता और पवित्रता में ही धन और ऐश्वर्य की देवी माता लक्ष्मी का वास होता है। बाजारों में रौनक अपने चरम पर होती है। मिट्टी के दीये, रंग—बिरंगी लाइटें, गेंदे के फूलों की मालाएं, खील—बताशे और तरह—तरह की मिठाइयों से दुकानें सजी होती हैं। हवा में एक विशेष प्रकार का उत्साह और सोंधी महक घुली होती है, जो हर दिल को खुशियों से भर देती है।

बहरहाल, दीपावली का त्योहार किसी एक घटना तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ कई अत्यंत महत्वपूर्ण पौराणिक और ऐतिहासिक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं, जो इसके महत्व को और अधिक गहरा बनाती हैं। दीपावली से जुड़ी सबसे लोकप्रिय और सर्वमान्य कथा भगवान विष्णु के अवतार श्रीरामचंद्र जी से जुड़ी है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम जब लंकापति रावण का वध करके, चौदह वर्ष का कठिन वनवास पूरा कर अपनी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे, तब अयोध्यावासियों के हर्ष की कोई सीमा नहीं थी। उस दिन कार्तिक मास की घने अंधकार वाली अमावस्या थी। अपने प्रिय राजा के स्वागत में पूरी अयोध्या नगरी को घी के दीये जलाकर आलोकित किया गया था। तब से लेकर आज तक, उसी प्रकाश पर्व की स्मृति में हर साल दीपावली मनाई जाती है। यह मान्यता हमें सिखाती है कि चाहे अंधकार कितना भी घना हो, धर्म और सत्य की विजय निश्चित है। वहीं, हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार, कार्तिक मास की अमावस्या के दिन ही देवताओं और असुरों द्वारा किए गए समुद्र मंथन के दौरान क्षीर सागर से धन, वैभव और समृद्धि की देवी माता लक्ष्मी का प्राकट्य (जन्म) हुआ था। इसीलिए दीपावली की रात को माता लक्ष्मी के स्वागत और पूजन का विशेष विधान है। लोग अपने घरों के मुख्य द्वार खोलकर रखते हैं और प्रवेश द्वार पर सुंदर रंगोली बनाते हैं, ताकि माता लक्ष्मी उनके घर में सुख—समृद्धि का आशीर्वाद देने पधारें।

एक अन्य पौराणिक मान्यता के अनुसार, दीपावली के एक दिन पहले (जिसे नरक चतुर्दशी या छोटी दिवाली कहा जाता है) भगवान श्रीकृष्ण ने अत्याचारी राक्षस नरकासुर का वध किया था और उसकी कैद से 16,000 बंदी महिलाओं को मुक्त कराया था। इस क्रूर राक्षस के आतंक से मुक्ति मिलने की खुशी में अगले दिन लोगों ने दीये जलाकर उत्सव मनाया था। यह प्रसंग बुराई के अंत और शोषितों के उद्धार का प्रतीक है। ऐतिहासिक दृष्टिकोण से देखें तो इसी पावन दिन भारत के महान और न्यायप्रिय सम्राट विक्रमादित्य का राज्याभिषेक हुआ था। उन्होंने एक नए युग (विक्रम संवत) की शुरुआत की थी। प्रजा ने अपने प्रिय और लोक—कल्याणकारी राजा के सिंहासन पर बैठने की खुशी में दीप जलाकर पूरे साम्राज्य को रोशन किया था। दीपावली का महत्व केवल सनातन परंपरा तक सीमित नहीं है। जैन धर्म के अनुसार, इसी पावन दिन जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी को मोक्ष (निर्वाण) की प्राप्ति हुई थी। वहीं, सिख इतिहास में इस दिन को बंदी छोड़ दिवस के रूप में बेहद श्रद्धा से मनाया जाता है, क्योंकि इसी दिन छठे गुरु, गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने ग्वालियर के किले से 52 हिंदू राजाओं को मुगल बादशाह जहांगीर की कैद से मुक्त कराया था और अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पहुंचे थे। दीपावली केवल एक दिन का त्योहार नहीं है, बल्कि यह पूरे पांच दिनों तक चलने वाली एक विस्तृत उत्सव—शृंखला है, जिसमें हर दिन का अपना एक विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है।

दीपावली का सामाजिक संदेश भी बेहद गहरा है। यह त्योहार ऊंच—नीच, अमीर—गरीब के भेद को मिटाकर सबको एक सूत्र में पिरोता है। लोग अपने पुराने मनमुटाव भूलकर एक—दूसरे को गले लगाते हैं और उपहारों का आदान—प्रदान करते हैं। यह अपनों के करीब आने और रिश्तों की डोर को मजबूत करने का समय है। आधुनिक समय में, इस त्योहार को मनाने के तरीकों में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। लोग अब पर्यावरण के प्रति अधिक जागरूक हो रहे हैं। अत्यधिक शोर और वायु प्रदूषण करने वाले पटाखों की जगह हरित पटाखों वाली दिवाली मनाने पर जोर दिया जा रहा है। मिट्टी के पारंपरिक दीयों का उपयोग फिर से बढ़ रहा है, जिससे न केवल पर्यावरण सुरक्षित रहता है, बल्कि उन गरीब कुम्हारों के घरों में भी खुशियों का दीया जलता है, जो इन्हें बनाते हैं। दीपावली वास्तव में एक ऐसा त्योहार है, जो हमें बाहर के साथ—साथ अपने भीतर के अंधकार को भी मिटाने की प्रेरणा देता है। हमारे भीतर छिपा हुआ क्रोध, लोभ, ईर्ष्या और अहंकार ही असली अंधकार है, जिसे हमें ज्ञान, प्रेम, करुणा और सहानुभूति रूपी दीयों से मिटाना होगा। जब हम समाज के सबसे कमजोर और जरूरतमंद व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान ला सकेंगे, तभी हमारी दीपावली सही मायने में सार्थक होगी। आइए, इस दीपावली पर हम प्रतिज्ञा करें कि हम न केवल अपने घर को रोशन करेंगे, बल्कि अपने विचारों को भी सकारात्मक बनाएंगे और पूरे संसार को प्रेम के प्रकाश से सराबोर कर देंगे।

सपा के लिए सत्ता परिवर्तन की चुनौती



-अखिल कुमार यादव-



उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच विधान परिषद की 11 सीटों के चुनाव परिणामों ने समाजवादी पार्टी के लिए उम्मीदों का नया आधार तैयार किया है। भारतीय जनता पार्टी छह सीटें जीतकर भले ही बढ़त बनाए रखने में सफल रही हो, लेकिन समाजवादी पार्टी की पांच सीटों पर जीत को केवल संख्याओं के अंतर से नहीं देखा जाना चाहिए। यह परिणाम उस राजनीतिक संघर्ष का संकेत है, जिसमें भाजपा की संगठनात्मक ताकत के सामने समाजवादी पार्टी अपनी जमीन मजबूत करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव के लिए नई संभावनाएं तलाश रही है। 2020 के पिछले चुनाव में तीन सीटें जीतने वाली सपा का इस बार पांच सीटों तक पहुंचना उसके लिए राजनीतिक उपलब्धि है। विशेष रूप से स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में तीन सीटों पर जीत यह संदेश देती है कि शिक्षित मतदाताओं के बीच पार्टी अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने की क्षमता रखती है। विधान परिषद चुनाव का महत्व केवल 11 सीटों तक सीमित नहीं है। यह चुनाव ऐसे मतदाता समूहों की राजनीतिक प्राथमिकताओं को सामने लाता है, जिनका संबंध शिक्षा, रोजगार, सेवा शर्तों और प्रशासनिक व्यवस्था से सीधे तौर पर जुड़ा है। ऐसे मतदाताओं के बीच सपा का बेहतर प्रदर्शन आगामी विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक विमर्श तैयार करने का अवसर देता है। हालांकि विधान परिषद और विधानसभा चुनावों का मतदाता आधार अलग होता है, फिर भी इन परिणामों से मिलने वाले राजनीतिक संकेतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। समाजवादी पार्टी के लिए सबसे उत्साहजनक पहलू स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में उसका प्रदर्शन है। पांच में से तीन सीटें जीतना बताता है कि इन निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा को चुनौती देने की स्थिति बनी हुई है। शिक्षित युवाओं, बेरोजगार स्नातकों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के बीच रोजगार तथा भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर जो प्रश्न उठते रहे हैं, वे सपा के लिए एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक अवसर प्रदान करते हैं।

आज युवाओं के सामने केवल डिग्री प्राप्त करने का प्रश्न नहीं है, बल्कि शिक्षा के बाद सम्मानजनक रोजगार हासिल करने की चुनौती भी है। सरकारी भर्तियों में देरी, भर्ती परीक्षाओं की विश्वसनीयता, पेपर लीक की घटनाएं, रिक्त पदों को भरने की आवश्यकता और निजी क्षेत्र में रोजगार के सीमित अवसर ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर राजनीतिक दलों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। सपा यदि इन मुद्दों पर स्पष्ट कार्यक्रम और व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत करती है, तो वह शिक्षित युवाओं के बीच अपनी राजनीतिक जमीन और मजबूत कर सकती है। यहां समाजवादी पार्टी के लिए एक महत्त्वपूर्ण अवसर यह भी है कि वह युवाओं को केवल चुनावी समर्थक के रूप में न देखे, बल्कि उन्हें नीति निर्माण और संगठन में भागीदारी दे। युवाओं की समस्याओं को समझने वाले स्थानीय प्रतिनिधियों को आगे बढ़ाना, भर्ती और शिक्षा से संबंधित शिकायतों पर संवाद स्थापित करना तथा रोजगार के लिए ठोस योजनाएं प्रस्तुत करना पार्टी की विश्वसनीयता को बढ़ा सकता है। विधान परिषद चुनाव से मिला संदेश तभी सार्थक होगा, जब उसे युवाओं के सवालों पर निरंतर राजनीतिक सक्रियता में बदला जाएगा। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा ने चार और सपा ने दो सीटें जीतीं। यह परिणाम बताता है कि शिक्षक समुदाय में भाजपा की राजनीतिक उपस्थिति अब भी मजबूत है, लेकिन सपा के लिए अपने प्रभाव का विस्तार करने की संभावनाएं भी मौजूद हैं। शिक्षकों की समस्याएं किसी एक दल के राजनीतिक विमर्श तक सीमित नहीं होनी चाहिए। पुरानी पेंशन, सेवा सुरक्षा, पदोन्नति, वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों की स्थिति, शिक्षामित्रों की समस्याएं और शिक्षा संस्थानों में बेहतर कार्यस्थितियां ऐसे विषय हैं, जिन पर सपा को स्पष्ट तथा प्रभावी रुख अपनाना चाहिए।

यदि पार्टी शिक्षक संगठनों, कर्मचारी समूहों और शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ निरंतर संवाद कायम करती है, तो वह इस वर्ग के बीच अपनी राजनीतिक स्वीकार्यता बढ़ा सकती है। शिक्षक समुदाय का विश्वास केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उसकी समस्याओं को सदन और सार्वजनिक मंचों पर लगातार उठाने से अर्जित किया जा सकता है। सपा को अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के कार्यों का विवरण जनता के सामने रखने की व्यवस्था भी विकसित करनी चाहिए, ताकि मतदाता यह देख सकें कि उनके प्रतिनिधि उनके मुद्दों के लिए कितने सक्रिय हैं। समाजवादी पार्टी की राजनीतिक शक्ति का एक प्रमुख आधार उसका सामाजिक न्याय का विमर्श रहा है। पीडीए अर्थात पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों की भागीदारी का सवाल पार्टी को सामाजिक प्रतिनिधित्व की राजनीति को आगे बढ़ाने का अवसर देता है। लेकिन इस अवधारणा की वास्तविक सफलता तभी संभव है, जब समाज के विभिन्न वर्गों को संगठन, उम्मीदवार चयन और निर्णय प्रक्रिया में उचित भागीदारी मिले। पिछड़े वर्गों के भीतर विभिन्न जातियों की अलग—अलग आकांक्षाएं हैं। दलित समुदायों के सामने सामाजिक सम्मान, शिक्षा, रोजगार और समान अवसरों के प्रश्न हैं। अल्पसंख्यक समुदाय भी शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा और संवैधानिक अधिकारों से जुड़े विषयों पर प्रभावी प्रतिनिधित्व की अपेक्षा रखते हैं। सपा यदि इन सभी मुद्दों को समान गंभीरता से उठाती है और अपने संगठन में विविध सामाजिक समूहों के योग्य नेतृत्व को स्थान देती है, तो उसका सामाजिक आधार अधिक व्यापक और मजबूत हो सकता है। साथ ही, पार्टी को उन वर्गों तक भी पहुंचना होगा जो अब तक उससे पूरी तरह नहीं जुड़े हैं। किसान, छोटे व्यापारी, मध्यम वर्ग, महिलाएं, ग्रामीण युवा और विभिन्न सामाजिक समुदायों के बीच विश्वास कायम करना आगामी विधानसभा चुनाव में महत्त्वपूर्ण होगा। इसके लिए केवल चुनावी सभाएं पर्याप्त नहीं होंगी। स्थानीय समस्याओं के समाधान, जनसुनवाई और निरंतर जनसंपर्क के माध्यम से यह विश्वास अर्जित करना होगा कि सपा सत्ता में आने पर सभी वर्गों के हितों को ध्यान में रखकर काम करेगी।

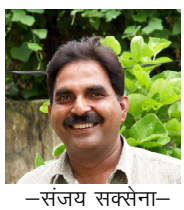
2027 में सत्ता परिवर्तन की दिशा में समाजवादी पार्टी के लिए संगठनात्मक मजबूती सबसे महत्त्वपूर्ण शर्तों में से एक होगी। विधान परिषद चुनावों में स्थानीय संपर्क और मतदाता समूहों के बीच उम्मीदवारों की व्यक्तिगत विश्वसनीयता की भूमिका होती है, लेकिन विधानसभा चुनाव में मुकाबला कहीं अधिक व्यापक होता है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में पार्टी को ऐसे कार्यकर्ताओं की आवश्यकता होगी, जो पूरे वर्ष जनता के बीच सक्रिय रहें और स्थानीय समस्याओं को समझें। गांवों, कस्बों और शहरी क्षेत्रों में जनता से जुड़े मुद्दों को दर्ज करने तथा उनके समाधान के लिए संगठनात्मक व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए। पार्टी को यह सुनिश्चित करना होगा कि कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय सक्रिय न हों, बल्कि सामान्य परिस्थितियों में भी जनता के लिए उपलब्ध रहें। यदि समाजवादी पार्टी अपने संगठन को जनता के दैनिक जीवन से जुड़े सवालों का प्रभावी माध्यम बना पाती है, तो उसे आगामी चुनाव में इसका राजनीतिक लाभ मिल सकता है। उम्मीदवारों का चयन भी निर्णायक भूमिका निभाएगा। सपा को 2027 के विधानसभा चुनाव में ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिनकी क्षेत्र में स्वीकार्यता हो, जो जनता के बीच उपलब्ध रहते हों और जिनका आचरण पार्टी की राजनीतिक विश्वसनीयता को मजबूत करता हो। केवल पुराने राजनीतिक समीकरणों के आधार पर उम्मीदवार तय करने के बजाय स्थानीय कार्यकर्ताओं की राय, जनता के बीच उम्मीदवार की छवि और उसके जनसंपर्क का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह आवश्यक है कि वह अपने परंपरागत समर्थकों के साथ—साथ नए मतदाताओं का विश्वास भी हासिल करे। सपा के लिए यह चुनावी अवसर तभी मजबूत होगा, जब पार्टी योग्य नए चेहरों को आगे बढ़ाएगी और स्थानीय नेतृत्व को सम्मानजनक भागीदारी देगी। संगठन में कार्यकर्ताओं की उपेक्षा तथा जनता से दूरी जैसी समस्याओं से बचना भी जरूरी होगा। भाजपा के मुकाबले समाजवादी पार्टी को अपनी वैकल्पिक शासन व्यवस्था का स्पष्ट खाका प्रस्तुत करना होगा। जनता के सामने केवल सरकार की कमियां गिनाना पर्याप्त नहीं है। मतदाता यह जानना चाहते हैं कि नई सरकार बनने पर रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, महंगाई, महिला सुरक्षा और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में क्या बदलाव आएगा। इसलिए सपा को अपने चुनावी कार्यक्रम में ऐसे वादों को प्राथमिकता देनी चाहिए, जिनकी उपयोगिता स्पष्ट हो और जिन्हें लागू करने की व्यावहारिक योजना भी प्रस्तुत की जा सके। किसानों के लिए कृषि लागत, सिंचाई और बाजार तक पहुंच के प्रश्न महत्त्वपूर्ण हैं। युवाओं के लिए रोजगार, कौशल विकास और सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता आवश्यक है। महिलाओं के लिए सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखना होगा। ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं, विद्यालयों, सड़कों और बुनियादी सुविधाओं की गुणवत्ता सुधारने का कार्यक्रम भी जरूरी है। इन विषयों पर स्पष्ट नीति प्रस्तुत करके सपा जनता के सामने एक सकारात्मक राजनीतिक विकल्प रख सकती है।

समाजवादी पार्टी को अपने पिछले शासनकाल के अनुभवों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना चाहिए। जिन योजनाओं और पहलों को वह अपनी उपलब्धि मानती है, उनके परिणामों को तथ्यों के साथ जनता के सामने रखना चाहिए। साथ ही, पिछली सरकार की कमियों से सीख लेकर यह स्पष्ट करना चाहिए कि भविष्य में उन समस्याओं का समाधान किस प्रकार किया जाएगा। राजनीतिक विश्वसनीयता केवल अतीत की उपलब्धियों के उल्लेख से नहीं, बल्कि उनसे सीखकर बेहतर भविष्य की योजना प्रस्तुत करने से बनती है। विधान परिषद चुनावों का एक और महत्त्वपूर्ण संदेश यह है कि राजनीतिक मुकाबला केवल सत्ता और विपक्ष के बीच सीटों की संख्या का खेल नहीं है। यह जनता के विश्वास का संघर्ष भी है। भाजपा ने छह सीटें जीती हैं, लेकिन सपा की पांच सीटों की सफलता ने यह अवसर दिया है कि वह अपने राजनीतिक विमर्श को अधिक व्यापक बनाए। पार्टी को इस उपलब्धि से आत्मविश्वास लेना चाहिए, लेकिन इसे विधानसभा चुनाव की जीत की गारंटी नहीं मानना चाहिए। 2027 में समाजवादी पार्टी के सामने वास्तविक चुनौती यह होगी कि वह इस राजनीतिक बढ़त को व्यापक जनसमर्थन में कैसे बदलती है। इसके लिए सामाजिक न्याय, रोजगार, शिक्षा, किसान हित, महिला सशक्तीकरण और जवाबदेह शासन को एक साझा राजनीतिक कार्यक्रम में समाहित करना होगा। पार्टी को अपने संगठन में अनुशासन, पारदर्शिता और आंतरिक संवाद को मजबूत करना चाहिए, ताकि जनता के सामने प्रस्तुत किए जाने वाले बदलाव का संदेश उसके अपने कामकाज में भी दिखाई दे।

अंततः विधान परिषद चुनाव 2026 ने समाजवादी पार्टी को एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक अवसर दिया है। पांच सीटों की जीत यह दिखाती है कि भाजपा के सामने प्रभावी चुनौती प्रस्तुत करने की संभावना मौजूद है। अब इस संभावना को वास्तविक राजनीतिक ताकत में बदलना पार्टी के नेतृत्व, संगठन और कार्यकर्ताओं की सक्रियता पर निर्भर करेगा। 2027 का विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी के लिए केवल सत्ता हासिल करने का संघर्ष नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, रोजगार, शिक्षा और जवाबदेह शासन के अपने विचार को व्यापक जनसमर्थन दिलाने की परीक्षा भी होगा। यदि पार्टी युवाओं के सवालों पर स्पष्ट कार्यक्रम प्रस्तुत करती है, शिक्षक—कर्मचारी वर्ग का विश्वास अर्जित करती है, पीडीए के सामाजिक आधार को मजबूत बनाती है और अन्य वर्गों तक अपनी पहुंच बढ़ाती है, तो वह आगामी चुनाव में अधिक प्रभावी चुनौती पेश कर सकती है। विधान परिषद चुनाव का संदेश स्पष्ट हैरू भाजपा को चुनौती देने की राजनीतिक जमीन मौजूद है। समाजवादी पार्टी के लिए अब सबसे बड़ा अवसर इस जमीन को जनता के व्यापक विश्वास में बदलना है। 2027 में सत्ता परिवर्तन की राह केवल राजनीतिक नारों से नहीं, बल्कि मजबूत संगठन, स्पष्ट नीतियों, सामाजिक भागीदारी और जनता के प्रति निरंतर जवाबदेही से तैयार होगी।

राहुल गांधी की खुली चुनौती और भाजपा



—संजय सक्सेना—



भारतीय राजनीति का व्याकरण पिछले एक दशक में बहुत तेजी से बदला है और इस बदलाव के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की त्रिकोणीय जंग रही है। एक दौर वह था जब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) देश का राजनीतिक एजेंडा तय करती थी। बीजेपी के शीर्ष रणनीतिकार जिस पिच को तैयार करते थे, कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष उसी पिच पर खेलने और उनके द्वारा फेंकी गई गेंदों पर रक्षात्मक शॉट लगाने को मजबूर होता था। राष्ट्रवाद, भ्रष्टाचार, हिंदुत्व और विकास के नैरेटिव जैसे कुछ ऐसे मुद्दे थे, जिन पर बीजेपी की चौतरफा घेरेबंदी के आगे विपक्ष सिर्फ प्रतिक्रिया देने (रिएक्टिव पॉलिटिक्स) तक सीमित रह जाता था। लेकिन आज की राजनीतिक तस्वीर काफी बदली हुई नजर आ रही है। वर्तमान परिदृश्य में राहुल गांधी चुनाव आयोग की निष्पक्षता और 'चुनाव चोरी' जैसे गंभीर आरोपों की आड़ लेकर मोदी और शाह पर बेहद आक्रामक हैं। इस नैरेटिव ने सत्ता पक्ष को कई मोर्चों पर बैकफुट पर धकेल दिया है, जिससे ऐसा प्रतीत होने लगा है कि अब पिच राहुल गांधी तैयार कर रहे हैं और बीजेपी उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर राजनीतिक बैटिंग यानी सफाई देने को मजबूर हो रही है। इस बदलाव को समझने के लिए हमें उस दौर में जाना होगा जब बीजेपी की रणनीति पर पूरा विपक्ष कदमताल करता था। साल 2014 और 2019 के आम चुनावों के दौरान बीजेपी की राजनीतिक मशीनरी इतनी सटीक और आक्रामक थी कि उसने विपक्ष को सोचने का मौका ही नहीं दिया। जब 2019 के चुनाव से ठीक पहले पुलवामा हमला और उसके बाद बालाकोट एयरस्ट्राइक हुई, तो बीजेपी ने पूरे देश में राष्ट्रवाद की एक ऐसी लहर पैदा कर दी, जिसने विपक्ष के सभी मुद्दों को नेस्तनाबूद कर दिया। उस समय राहुल गांधी और पूरा विपक्ष सिर्फ इस बात पर बहस कर रहा था कि एयरस्ट्राइक में कितने आतंकवादी मारे गए। नतीजा यह हुआ कि जनता के बीच विपक्ष की छवि रक्षात्मक और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर कमजोर दिखने लगी। विपक्ष पूरी तरह से बीजेपी की बनाई पिच पर खेल रहा था, जहां जीत—हार का फैसला पहले ही हो चुका था। इसी तरह, जब बीजेपी ने जम्मू—कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने या नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) जैसे बड़े और विवादित फैसले लिए, तब भी विपक्ष केवल प्रतिक्रियावादी भूमिका में रहा। बीजेपी ने इन मुद्दों को देश के सामने एक निश्चित राष्ट्रवादी चश्मे से पेश किया और कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल इसके विरोध में खुलकर बोलने से हिचकिचाते रहे कि कहीं उन्हें बहुसंख्यक विरोधी न मान लिया जाए। उस दौर में बीजेपी जो एजेंडा सुबह तय करती थी, शाम तक टीवी चैनलों की बहसों से लेकर संसद की दीर्घाओं तक विपक्ष उसी के इर्द—गिर्द घूमता नजर आता था।

हालांकि, ऐसा नहीं है कि राहुल गांधी ने पहले आक्रामक तेवर नहीं दिखाए या मुद्दे नहीं उठाए। उनके राजनीतिक सफर में कई ऐसे मोड़ आए जब उन्होंने बड़े—बड़े मुद्दों को उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश की, लेकिन वे मुद्दे चुनावी मोर्चे पर कोई खास चमत्कार नहीं दिखा पाए। इसका सबसे बड़ा उदाहरण 2019 के आम चुनाव में राहुल गांधी द्वारा उठाया गया श्राफेल विमान सौदाश का मुद्दा था। राहुल गांधी ने श्चौकीदार चोर हैश का नारा देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बेदाग और ईमानदार छवि पर सीधा हमला बोला था। उन्होंने लगातार रैलियों में इस मुद्दे को भुनाया, प्रेस कॉन्फ्रेंस कीं और तकनीकी बारीकियों को जनता के सामने रखा। लेकिन यह मुद्दा जमीन पर जनता से कनेक्ट नहीं हो सका। जनता ने मोदी की विश्वसनीयता पर भरोसा बनाए रखा और कांग्रेस को चुनाव में करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। राफेल का यह मुद्दा पूरी तरह से बेअसर साबित हुआ और इसे राहुल गांधी की एक बड़ी रणनीतिक विफलता माना गया। इसी तरह राहुल गांधी ने नोटबंदी और जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) को लेकर भी सरकार पर तीखे हमले किए थे। उन्होंने जीएसटी को श्गब्बर सिंह टैक्सश का नाम दिया और दावा किया कि इसने देश के छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ दी है। संसद से लेकर सड़क तक कांग्रेस ने प्रदर्शन किए, लेकिन जब चुनाव के नतीजे आए, तो व्यापारियों और आम जनता का एक बड़ा वर्ग फिर भी बीजेपी के साथ खड़ा दिखाई दिया। कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन के प्रबंधन, प्रवासी मजदूरों के संकट और वैक्सीन कूटनीति पर भी राहुल गांधी ने लगातार सवाल उठाए। उन्होंने हर दिन सरकार की कमियों को उजागर करने वाले ट्वीट और वीडियो जारी किए, लेकिन उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों के विधानसभा चुनावों में इन मुद्दों का कोई चमत्कारिक असर देखने को नहीं मिला और बीजेपी लगातार जीत दर्ज करती रही। इन पुराने मुद्दों की विफलता का मुख्य कारण यह था कि विपक्ष के पास तब एक मजबूत और एकजुट नैरेटिव की कमी थी और वे जनता को यह समझाने में नाकाम रहे कि उनके पास सरकार का क्या विकल्प है।

लेकिन हाल के दिनों में पासा पलटता हुआ दिख रहा है। राहुल गांधी ने अब अपनी रणनीति बदल ली है। वे केवल सरकार की नीतियों की आलोचना नहीं कर रहे हैं, बल्कि सीधे उन संस्थाओं पर सवाल उठा रहे हैं, जो लोकतंत्र की रीढ़ मानी जाती हैं। चुनाव आयोग की भूमिका को संदिग्ध ठहराना और श्चुनाव चोरीश का नैरेटिव गढ़ना इसी बदली हुई रणनीति का हिस्सा है। राहुल गांधी अब लगातार यह आरोप लगा रहे हैं कि मोदी सरकार संवैधानिक संस्थाओं को पंगु बनाकर चुनाव जीत रही है। इस नैरेटिव का असर यह हुआ है कि अब बीजेपी को बार—बार सामने आकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की पवित्रता पर स्पष्टीकरण देना पड़ रहा है। जिस तरह से राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना और संविधान बचाने के मुद्दे को केंद्र में ला दिया है, उसने बीजेपी की पारंपरिक हिंदुत्व वाली पिच को हिलाकर रख दिया है। अब बीजेपी के बड़े से बड़े नेता को जातिगत समीकरणों, संविधान की प्रतियों और चुनाव आयोग के बचाव में बयानबाजी करनी पड़ रही है। जो बीजेपी कभी अपने विकास और राष्ट्रवाद के रथ पर सवार होकर चलती थी, आज वह विपक्ष के आरोपों की पिच पर डिफेंसिव शॉट खेलने को मजबूर नजर आ रही है। राजनीति का यह नया दौर दिखाता है कि कैसे एक दौर में बीजेपी की उंगलियों पर नाचने वाला विपक्ष अब खुद अपनी धुन तैयार कर रहा है और सत्ता पक्ष को उस पर कदमताल करने के लिए विवश कर रहा है।

भगवान श्री चित्रगुप्त जयंती का संदेश



दीपावली के महापर्व के दौरान जहां पूरा देश माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा में लीन होता है, वहीं कायस्थ समाज के लिए यह समय एक और अत्यंत महत्वपूर्ण और पावन उत्सव का होता है। दीपावली के ठीक दो दिन बाद, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि (भाई दूज या यम द्वितीया) को कायस्थ समाज के लोग अपने कुलदेवता भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज की जयंती मनाते हैं। इसे पारंपरिक रूप से कलम—दवात पूजा या चित्रगुप्त पूजा भी कहा जाता है। यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि कायस्थ संस्कृति, बौद्धिक विरासत और कर्म के प्रति अगाध श्रद्धा का प्रतीक है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सृष्टि के रचयिता भगवान ब्रह्मा ने जब देव, दानव, गंधर्व, पुरुष और स्त्रियों की रचना की, तो वे जीवों के कर्मों का लेखा—जोखा रखने की व्यवस्था को लेकर चिंतित हुए। उन्होंने एक ऐसे सहयोगी की आवश्यकता महसूस की जो अत्यंत बुद्धिमान हो और ब्रह्मांड के हर जीव के पाप और पुण्य का सटीक हिसाब रख सके। इस कार्य के लिए ब्रह्मा जी ग्यारह हजार वर्षों तक गहरी समाधि में चले गए। जब उन्होंने अपनी आंखें खोलीं, तो उन्होंने अपने सामने हाथ में कलम, दवात, पुस्तक और तलवार लिए एक परम तेजस्वी पुरुष को खड़े देखा। चूंकि इस महापुरुष की उत्पत्ति ब्रह्मा जी की काया (शरीर) से गुप्त रूप से हुई थी, इसलिए ब्रह्मा जी ने उनका नाम कायस्थ रखा और उन्हें चित्रगुप्त की उपाधि दी। ब्रह्मा जी ने उन्हें आज्ञा दी कि वे धर्मराज (यमराज) के दरबार में मनुष्यों के अच्छे और बुरे कर्मों का हिसाब रखें। इस प्रकार, श्री चित्रगुप्त जी कायस्थ समाज के मूल पुरुष और कुलदेवता कहलाए।

देश के विभिन्न हिस्सों में चित्रगुप्त पूजा को बेहद श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस दिन कायस्थ परिवारों में एक विशेष अनुष्ठान होता है, जिसे कलम—दवात पूजा कहते हैं। इस दिन कायस्थ समाज के लोग अपनी लेखनी—दवात और नए बही—खातों या कॉपियों की पूजा करते हैं। व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में नए बही—खाते श्री चित्रगुप्त जी को समर्पित किए जाते हैं। चित्रगुप्त का चित्र और प्रतीकरू पूजा की चौकी पर श्री चित्रगुप्त जी की प्रतिमा या चित्र स्थापित किया जाता है। उनके समक्ष एक कोरा कागज रखा जाता है, जिस पर घी और सिंदूर का तिलक लगाया जाता है। इसे कोरे कागज पर परिवार के सभी सदस्य अपनी आय—व्यय का विवरण लिखते हैं और साथ ही अपनी साक्षरता व ज्ञान के प्रतीक स्वरूप ष्श्री चित्रगुप्त नमः मंत्र या मंत्रोच्चार लिखते हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि हम अपने कर्मों को भगवान के सामने पारदर्शी रख रहे हैं। कायस्थ परंपरा के अनुसार, इस दिन कायस्थ समाज के लोग लिखने—पढ़ने का काम नहीं करते हैं। पूजा के बाद ही कलम को हाथ लगाया जाता है, जिसे भगवान का आशीर्वाद माना जाता है। भगवान चित्रगुप्त को ब्रह्मांड का प्रथम अकाउंटेंट या न्यायाधीश माना जा सकता है। उनकी पूजा हमें याद दिलाती है कि हमारे द्वारा किया गया हर छोटा—बड़ा कर्म रिकॉर्ड हो रहा है। यह पर्व समाज को ईमानदारी, न्याय और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।—संजय

चावल मिल में नकली नोट छापने का कारखाना चलता मिला, रेड में 100, 200 और 500 के नोट बरामद



संवाददाता–श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जनपद में नकली नोट छापने की फैक्ट्री पकड़ी गई है। छापेमारी के दौरान यहां चावल मिल में नकली नोट छापने का कारखाना चलता पाया गया। लखनऊ से आई एसटीएफ और पुलिस की टीम ने छापेमारी की। लखनऊ से आई एसटीएफ और पुलिस की कार्रवाई में मिल से एक लाख 74 हजार के 100, 200 और 500 के नकली नोट और नोट बनाने के उपकरण बरामद किए गए। इसके साथ ही मिल मालिक सहित तीन लोगों को मौके से गिरफ्तार किया गया।

सोनवा थाना क्षेत्र के भिटिया चिखड़ी में गिरिराज चावल मिल है। इस मिल में नकली नोट बनाने का कारखाना चलाया जा रहा था। इसकी भनक एसटीएफ को लगी। इसके बाद एसटीएफ ऐक्शन आई। प्लान के तहत लखनऊ एसटीएफ टीम ने स्थानीय पुलिस टीम के साथ चावल मिल पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान एसटीएफ और पुलिस टी में गुरुवार को दिन भर मिल में मौजूद रहीं। इसके साथ ही स्थानीय पुलिस के साथ मिल की छानबीन की गई तो नकली नोट बनाने का कारखाना बरामद किया गया। इसके अलावा पुलिस और एसटीएफ टीम ने मौके से मोबाइल फोन, आपराधिक कृत्य में प्रयुक्त पहचान पत्र (आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं ड्राइविंग लाइसेंस) तथा पांच हजार 500 रुपए नकद तथा मेज से कुल एक लाख 74 हजार मूल्य के निर्मित जाली नोट जिसमें 100, 200 एवं 500 रुपये नोट शामिल थे बरामद किया गया। इसके साथ ही एक कलर प्रिंटर मय केबल, प्रिंटर इंक रिफिल, जेके एक्सेल बांड पेपर, स्केल, कटर ब्लेड, कैंची सहित जाली नोट तैयार करने में प्रयुक्त अर्द्ध निर्मित सामग्री एवं कतरन बरामद की गई।

पुलिस ने मिल मालिक गिरिजा शंकर जायसवाल पुत्र छोटे लाल जायसवाल निवासी शिवनगर गोंडा रोड थाना कोतवाली देहात जनपद बहराइच,नरेन्द्र कुमार चौरसिया पुत्र सुखराम चौरसिया निवासी ग्राम लालबोझी पोस्ट भटपुरवा थाना नवीन मॉडर्न श्रावस्ती तथा बृजेन्द्र गोस्वामी पुत्र उदयराज गोस्वामी निवासी ग्राम भगवानपुर बनकट थाना इकौना को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों को जेल भेज दिया गया।

धनतेरस पर ट्रैक्टर से लेकर कार तक की हुई खरीदारी



संवाददाता–कुशीनगर। धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा के चलते दुकानों पर दिनभर ग्राहकों की आवाजाही रही। दुकानदारों ने पूजा और रोजमर्रा के इस्तेमाल के बर्तनों को सजाकर रखा था। राजेश जायसवाल और पप्पू मद्धेशिया ने बताया कि इस बार भी ग्राहकों ने बर्तनों की खरीदारी की।

पूजा सामग्री की दुकानों पर लोगों ने मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की मूर्तियों के साथ खील, लाई, बताशे, माला, वस्त्र और अन्य पूजन सामग्री खरीदी। घरों को सजाने के लिए रंग–बिरंगे सजावटी सामान की भी मांग रही।

आभूषण की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ रही। बड़े ज्वेलरी शोरूम से लेकर स्थानीय स्वर्णकारों की दुकानों तक खरीदारी हुई। स्वर्ण व्यवसायी राजेश जायसवाल, वीरेंद्र जायसवाल और अनुज गुप्ता ने बताया कि पहले धनतेरस पर लोग मुख्य रूप से चांदी के सिक्के खरीदते थे, लेकिन अब सोने–चांदी के गहनों की खरीदारी भी बढ़ी है। वाहन बाजार में दोपहिया और चारपहिया वाहनों के साथ खेती में इस्तेमाल होने वाले ट्रैक्टरों की भी बिक्री हुई। जेटै एजेंसी के विक्रम अग्रवाल ने बताया कि मोपेड और स्कूटी के साथ महंगे मॉडल के वाहन भी बिके।

हीरो एजेंसी के मालिक अजय गुप्ता ने बताया कि ग्राहक अपनी पसंद के अलग–अलग मॉडल की मोटरसाइकिल खरीद रहे हैं। जिले की एजेंसियों पर अच्छी बिक्री हुई है। अनुमान है कि धनतेरस से दीपावली तक 5 हजार से अधिक दोपहिया वाहन बिक सकते हैं। वहीं, स्थानीय एजेंसियों पर चारपहिया वाहनों की भी अच्छी बिक्री होने की उम्मीद है। धनतेरस से दीपावली तक मिठाइयों की बढ़ती मांग को देखते हुए कारोबारियों ने भी विशेष तैयारियां की हैं। गणेश स्वीट्स, मिठाई महल, गोपाल स्वीट्स, गोकुल स्वीट्स, अशोक कैंटीन और साई स्वीट्स समेत शहर के अन्य प्रतिष्ठानों पर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही।

पुलिस कार्यालय में तैनात सिपाही की मौत

संवाददाता–देवरिया। देवरिया पुलिस कार्यालय में तैनात एक सिपाही की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। पांच अक्टूबर की रात भोजन करते समय उनकी अचानक तबीयत खराब हो गई। साथी पुलिसकर्मी उन्हें मेडिकल कॉलेज देवरिया लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृत सिपाही की पहचान आदित्य राम श्रीवास्तव के रूप में हुई है। वह पुलिस कार्यालय के क्षेत्राधिकारी कार्यालय में तैनात थे। आदित्य स्वर्गीय राजकुमार श्रीवास्तव के बेटे थे और मूल रूप से गोंडा जिले के मुजेहना थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। 11 अक्टूबर 2020 को उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी के पद पर उनकी नियुक्ति हुई थी। पांच अक्टूबर की रात भोजन करते समय उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। साथी पुलिसकर्मी उन्हें तत्काल मेडिकल कॉलेज देवरिया ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुक्रवार को पुलिस विभाग की ओर से उन्हें शोक सलामी दी गई। एसपी अभिजीत आर शंकर ने उनके पार्थिव शरीर को कंधा दिया। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और नम आंखों से अंतिम विदाई दी। श्रद्धांजलि सभा के बाद एसपी ने दिवंगत सिपाही के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाया और हर संभव सहयोग का भरोसा दिया।

भैंस पकड़ने के प्रयास में गहरे गड्ढे में डूबने से युवक की मौत



संवाददाता–देवरिया। नगर पंचायत भाटपाररानी के वार्ड नंबर 10 में शुक्रवार की सुबह पानी से भरे गहरे गड्ढे में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। युवक अपनी भैंस को पकड़ने के लिए गया था। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर जांच–पड़ताल शुरू कर दी। वार्ड नंबर 10 निवासी विशाल प्रसाद (25) पुत्र जीयुत प्रसाद बुधवार सुबह शौच के लिए गया था। उसी दौरान उसकी भैंस खुलकर भागने लगी। विशाल भैंस को पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ा। उसी दौरान वह पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। आसपास मौजूद लोगों को घटना की जानकारी होने पर मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर भाटपाररानी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। सब–इंस्पेक्टर आहूत यादव और प्रमोद सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच की। पुलिस आवश्यक कागजी कार्रवाई में जुटी रही।घटना के बाद मृतक के घर पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिजनों का से–रोकर बुरा हाल था। वार्ड समासद सलीम अली ने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। उन्होंने शासन–प्रशासन से परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की। साथ ही एसडीएम भाटपाररानी से भी पीड़ित परिवार की मदद करने की गुहार लगाई। मौके पर चेयरमैन प्रत्याशी संतोष पांडेय, समासद सलीम अली, राकेश, ओमप्रकाश, रघुवीर, सुलोचन और नंदकिशोर समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। वह अपनी भैंस को पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ते समय पानी से भरे गहरे गड्ढे में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई।

वनटांगिया गांव में 501 दीप जलाकर मनाई दीपावली, नए प्राथमिक विद्यालय का एडीएम–सीडीओ ने किया उद्घाटन



संवाददाता–गोण्डा। दीपावली से तीन दिन पहले गोंडा जिला प्रशासन और प्रदेश सरकार की अनूठी पहल के तहत जिला प्रशासन के अधिकारियों ने वनटांगिया गांव पहुंचकर समुदाय के लोगों के साथ भव्य दीपोत्सव मनाया। कार्यक्रम के दौरान एडीएम प्रमोद झा, सीडीओ दयानंद प्रसाद और बीएसए अमित कुमार सिंह ने वन ग्राम महेशपुर में लाखों रुपये की लागत से नवनिर्मित प्राथमिक विद्यालय का उद्घाटन किया। आजादी के दशकों बाद भी इस क्षेत्र में बच्चों की पढ़ाई के लिए कोई औपचारिक विद्यालय नहीं था। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन की विशेष पहल पर तैयार हुआ यह विद्यालय वनटांगिया बच्चों के भविष्य के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। शुक्रवार से इस प्राथमिक विद्यालय में वनटांगिया समुदाय के बच्चों की पढ़ाई भी आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है, जिससे बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी।

विद्यालय के लोकार्पण के बाद अधिकारियों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर 501 दीप जलाए। एडीएम, सीडीओ और जिला आपदा विशेषज्ञ राजेश श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारियों ने बच्चों के साथ फूलझड़ियां जलाईं। जिला प्रशासन की ओर से वनटांगिया परिवारों को दीपावली के विशेष उपहार वितरित किए गए। इनमें नए कपड़े, बर्तन, मिठाइयां, दीये और मोमबत्तियां शामिल थीं। उपहार पाकर बच्चों और महिलाओं के चेहरे खिल उठे और समूचे वन क्षेत्र में उल्लास का माहौल बन गया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

ग्रामीणों का कहना है कि यह आयोजन सिर्फ एक त्योहार का हिस्सा नहीं, बल्कि उनकी सामाजिक पहचान और मुख्यधारा से जुड़ाव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से वनटांगिया समुदाय को राजस्व ग्राम का दर्जा, जमीन के पट्टे और पक्के आवास की सुविधा मिली है। इसके तहत मनकापुर तहसील के रामगढ़ और महेशपुर गांवों में हजारों वनटांगिया परिवारों को स्थायी निवास और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

डीएम प्रियंका निरंजन ने कहा कि प्रदेश सरकार की विशेष पहल है कि वनटांगिया समुदाय के लोगों के साथ मिलकर दीपावली का त्योहार मनाया जाए। इसलिए हम लोगों ने इसे भव्य तरीके से मनाया है। उन्हें उपहार भी दिए हैं और प्राथमिक विद्यालय का उद्घाटन भी किया है।

आनंदनगर नगर पंचायत में स्वच्छ दीपावली मनाई, कर्मचारियों को मिठाई बांटी



संवाददाता–महराजगंज। फरेंदा महराजगंज – नगर पंचायत आनंदनगर कार्यालय में स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने को कहीं और कार्यक्रम में कर्मचारियों और सभासदों को मिठाई बांटी गई। राजेश जयसवाल अध्यक्ष प्रतिनिधि ने लोगो को दीपावली की खुशी बाटी । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के.डी. बाबू, सेवानिवृत्त एसटीओ, दूरसंचार विभाग मौजूद रहे। उनके साथ अधिशासी अधिकारी अनुज भारती, आकांक्षी अधिकारी आदित्य चौधरी, सभासद मुकेश सिंघी, अजय जायसवाल और विकास चौरसिया शामिल हुए। बड़े बाबू वेदप्रकाश गुप्ता, धीरेन्द्र श्रीवास्तव और नगर पंचायत के कर्मचारी भी मौजूद रहे। के.डी. बाबू ने कहा कि दीपावली प्रकाश का पर्व है, केवल पटाखों का त्योहार नहीं। उन्होंने कर्मचारियों से अपने वार्ड में लोगों को कम कूड़ा करने और पटाखों से होने वाले प्रदूषण के बारे में जागरूक करने की अपील की। अधिशासी अधिकारी अनुज भारती ने बताया कि नगर पंचायत फरेंदा इस बार 'स्वच्छ दीपावली, शुभ दीपावली अभियान चला रही है। दीपावली पर कूड़ा ज्यादा निकलता है, इसलिए सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी बढ़ाई गई है। सभासदों ने बताया कि दीपावली से पहले सभी वार्डों में सफाई अभियान चलाया गया। नालियों की सफाई और कचरा हटाने का काम तेज किया गया है। कार्यक्रम के अंत में कर्मचारियों को मिठाई और शुभकामनाएं दी गईं। सभी ने घरों में दीये जलाने, पटाखों से दूरी रखने और नगर को साफ रखने की शपथ ली।

रामयंत्र की धुन पर ठहरते कदम, सरयू घाट पर आस्था से संवर रही आजीविका

संवाददाता–अयोध्या। मां सरयू के घाटों पर दीपों की रोशनी, रामनाम की गूंज और श्रद्धालुओं की आस्था के बीच रामयंत्र की धुन भी पर्यटकों के कदम रोक रही है। गले में रामयंत्र टांगे और दोनों हाथों से उसकी ताल बजाते विक्रेता घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। रामभक्ति के गीतों के साथ रामयंत्र की धुन वातावरण में घुलती है तो सहसा लोगों की नजरें इन विक्रेताओं की ओर चली जाती हैं। देशी पर्यटकों के साथ विदेशी श्रद्धालु भी इसकी आवाज सुनकर ठहर जाते हैं। कोई इसकी धुन सुनता है तो कोई रामभक्ति की इस निशानी को अपने साथ ले जाने के लिए खरीदता है। 50 रुपये में एक जोड़ा रामयंत्र बेचने वाले ये विक्रेता आस्था को आजीविका से जोड़ रहे हैं। गोरखपुर के सचींद्रनाथ सरयू घाट पर रामयंत्र बेचते हैं। एक जोड़ा 50 रुपये में देते हैं। अन्य दिनों में उनकी रोजाना कमाई 800 से 1000 रुपये तक होती है, जबकि दीपोत्सव के दौरान यह बढ़कर 1800 से 2500 रुपये तक पहुंच रही है। उनके लिए रामयंत्र बेचना केवल कारोबार नहीं, बल्कि रामभक्ति से जुड़ने का माध्यम भी है। सचींद्रनाथ बताते हैं कि रामयंत्र बेचने के साथ रामभक्ति के गीत गाते हैं। श्रद्धालु धुन सुनकर रुकते हैं और रामयंत्र



खरीदकर अपने साथ ले जाते हैं। दीपोत्सव में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने से कमाई भी अच्छी हो जाती है। रामयंत्र श्रद्धालुओं के लिए आस्था की स्मृति बनता है तो विक्रेता के लिए घर–परिवार चलाने का सहारा। बिहार के राजेंद्र महतुर की कहानी भी इसी बदलाव की तस्वीर दिखाती है। वह पिछले तीन वर्षों से रामयंत्र बेच रहे हैं। आम दिनों में उनकी रोजाना कमाई 800 रुपये के आसपास तक होती है, लेकिन दीपोत्सव के दौरान अब 2000 रुपये तक रोज की आय हो रही है। राम मंदिर निर्माण के बाद अयोध्या में बढ़े श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आवागमन ने उनके कारोबार को नई गति दी है। राजेंद्र महतुर कहते हैं, 'राम मंदिर बनने के बाद अयोध्या में लोगों का आना बढ़ा है। रामयंत्र की धुन सुनकर लोग रुकते हैं और खरीदते हैं। इससे हमारा रोजगार भी अच्छा चल रहा है और रामभक्ति से जुड़े रहने का अवसर भी मिलता है। पहले दूसरे काम में लगे राजेंद्र अब रामयंत्र बेचकर अपनी आजीविका चला रहे हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकसित हो रही नगरी ने धार्मिक पर्यटन के साथ छोटे कारोबारियों के लिए भी नए अवसर पैदा किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में रामनगरी के विकास तथा दीपोत्सव जैसे आयोजनों से श्रद्धालुओं की बढ़ती आवाजाही घाटों के छोटे विक्रेताओं की कमाई में भी दिखाई दे रही है। रामयंत्र की धुन यहां केवल धार्मिक वातावरण नहीं रचती, बल्कि आस्था, परंपरा और रोजगार को एक साथ जोड़ती है। सरयू के घाटों पर इसकी गूंज के साथ श्रद्धालु रामभक्ति की स्मृति लेकर लौटते हैं और विक्रेता अपनी रोजी–रोटी का नया आधार।

जिला अस्पताल में शुरू हुआ माड्यूलर आपरेशन थियेटर डीएम बोले- मरीजों को बेहतर शल्य चिकित्सा सुविधा



संवाददाता–बलरामपुर। जिला मेमोरियल चिकित्सालय में शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे अत्याधुनिक मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर का शुभारंभ हुआ। डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन ने इसका उद्घाटन किया। इस सुविधा के शुरू होने से जिले में शल्य चिकित्सा सेवाओं का विस्तार होगा। उद्घाटन के बाद डीएम ने आधुनिक ऑपरेशन थियेटर का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां उपलब्ध चिकित्सा उपकरणों, स्वच्छता व्यवस्था और संक्रमण नियंत्रण के इंतजामों की जानकारी ली। डीएम ने कहा कि आमजन को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। प्रयास है कि गंभीर बीमारियों के उपचार और शल्य चिकित्सा के लिए लोगों को अपने जिले में ही बेहतर सुविधाएं मिल सकें। मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर की खासियत इसका नियंत्रित और स्वच्छ वातावरण है। आधुनिक तकनीक से तैयार इस व्यवस्था में संक्रमण नियंत्रण, उच्चस्तरीय स्वच्छता और मरीजों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। इससे ऑपरेशन के दौरान चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को भी बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा। डीएम ने चिकित्सालय प्रशासन और चिकित्सकों को निर्देश दिए कि मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर का संचालन निर्धारित चिकित्सा मानकों के अनुसार किया जाए। उपकरणों का नियमित रखरखाव, साफ–सफाई और संक्रमण नियंत्रण के सभी प्रोटोकॉल सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार और गुणवत्तापूर्ण उपचार पर भी जोर दिया। इस मौके पर सीडीओ हिमांशु गुप्ता, एसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह, सीएमएस डॉ. हीरालाल समेत चिकित्सालय के चिकित्सक, अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए 107 केंद्र प्रस्तावित, ऑनलाइन मांगी गई आपत्तियां

संवाददाता–बहराइच। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा–2027 के लिए 107 परीक्षा केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज ने केंद्रों और छात्र आवंटन की सूची जारी कर दी है। इस पर आपत्तियां मांगी गई हैं। शुक्रवार शाम चार बजे कलेक्ट्रेट सभागार में डा राजेश कुमार पाण्डेय ने अधिकारियों के साथ बैठक कर केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित केंद्रों और छात्र आवंटन को लेकर आपत्तियां ऑनलाइन दर्ज कराई जा सकती हैं। सूची में शामिल किसी विद्यालय, संस्था, छात्र, अभिभावक, प्रधानाचार्य या प्रबंधक को आपत्ति है तो वह उचित कारण और जरूरी दस्तावेजों के साथ माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर तय प्रारूप में आवेदन कर सकता है। आपत्तियों के निस्तारण के बाद जिला केंद्र निर्धारण समिति की मंजूरी और सिफारिश के आधार पर अंतिम सूची तैयार होगी। इसे परिषद की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। डीएम ने अधिकारियों को तय समय–सारिणी के अनुसार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि काम में लापरवाही या देरी होने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। पोर्टल बंद होने की स्थिति में भी अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। बैठक में एसडीएम अरुण कुमार, एसडीएम सदर अमन देयोल, कैसरगंज के एसडीएम प्रशांत कुमार नायक, पयागपुर के एसडीएम संजय कुमार पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानंद और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मानदेय भुगतान में देरी पर शिक्षामित्रों–कर्मियों ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–गोण्डा। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के जिलाध्यक्ष अवधेश मणि मिश्रा के नेतृत्व में शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और कर्मचारियों ने मानदेय भुगतान की मांग को लेकर बीएसए अमित कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। इसमें सहायक लेखाकार, कंप्यूटर ऑपरेटर, जिला समन्वयक सहित एसएनए पोर्टल से मानदेय पाने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का तत्काल भुगतान कराने की मांग की गई। जिलाध्यक्ष ने कहा कि त्योहार आते ही नई व्यवस्था लागू होने से कर्मचारियों को परेशानी उठानी पड़ती है। पहले होली पर बैंक मर्जर और अब एसएनए पोर्टल के कारण भुगतान प्रभावित है। एक माह पहले अधिकारियों से समय पर भुगतान की तैयारी करने का अनुरोध किया गया था, लेकिन अब तक मानदेय नहीं मिला। शिक्षामित्रों का मूल विद्यालय में स्थानांतरण कराने की मांग भी उठाई। उन्होंने कहा कि शिक्षामित्रों को रोजाना 80 से 100 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ रही है। इस दौरान शिवमूर्ति पांडेय, पृथ्वीराज सोनकर, सत्येंद्र कुमार, अतुल कुमार यादव, कृष्ण कुमार पांडेय, राजकुमार, रावेंद्र प्रताप सिंह, रिंकू, हनुमंत तिवारी, राजकुमार शुक्ला, मार्शल सरवन कुमार शुक्ला, मनुवा तिवारी, रमेश मिश्रा, राकेश सिंह, ओमप्रकाश, गणेश कुमार, शिवप्रसाद जायसवाल, सोनू मिश्रा, रजनीबाला, किरण सैनी, भगवती प्रसाद, विश्वनाथ तिवारी, परशुराम पाल, मुरलीधर मिश्रा और संदीप तिवारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

कमिश्नर और डीएम ने 250 महिलाओं को दी कढ़ाई और पोषण पोटली

संवाददाता–गोण्डा। एक अभिनव पहल और पोषण पाठशाला कार्यक्रम का शुक्रवार दोपहर 2 बजे जिला मुख्यालय के जिला पंचायत सभागार में आगाज हुआ। अभियान का मुख्य उद्देश्य रसोई से एल्युमीनियम के बर्तनों को हटाकर पारंपरिक लोहे की कढ़ाई के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है। लोहे के बर्तनों में खाना पकाने से भोजन में प्राकृतिक रूप से आयरन का स्तर बढ़ता है, जिससे महिलाओं और बच्चों में खून की कमी दूर होती है। महिलाओं को दी गई पोषण पोटली में गुड़, लाई, जरूरी दवाएं और दीपावली की मिठाई शामिल रही। वहीं सीएमओ के सहयोग से बच्चों के लिए कैल्शियम और अन्य आवश्यक दवाएं भी दी गईं। धनतेरस के मौके पर यह खास उपहार पाकर महिलाओं ने अधिकारियों का धन्यवाद किया।



जड़ों की ओर लौटकर ही दूर होगी कुपोषण की समस्यारू डीएम निरंजन ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशानुरूप हर परिवार और बच्चे के बेहतर स्वास्थ्य के संकल्प के साथ यह शुरुआत की गई है। आधुनिकता की दौड़ में लोग भारतीय संस्कृति और खान–पान की सेहतमंद परंपराओं को भूलते जा रहे हैं। कुपोषण खत्म करने के लिए अपनी जड़ों की ओर लौटना और छोटी–छोटी आदतों को सुधारना बेहद जरूरी है। गोंडा में चिह्नित 1800 कुपोषित बच्चों को अगले दो महीने के भीतर इस योजना से पूरी तरह कवर कर लिया जाएगा।

देवीपाटन मंडल के तीन अन्य जिलों में भी लागू होगी योजना कमिश्नर दुर्गा शक्ति नागपाल ने घोषणा की कि गोंडा की इस सफल पहल को जल्द ही देवीपाटन मंडल के बाकी तीन जिलों में भी लागू किया जाएगा। इस विस्तार से पूरे मंडल की लगभग 11,000 महिलाओं और बच्चों को सीधा फायदा पहुंचेगा और कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को बड़े पैमाने पर मजबूती मिलेगी।

एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, निस्तारण के निर्देश

संवाददाता–बलरामपुर। पुलिस अधीक्षक मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने शुक्रवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, साइबर फ्रॉड और महिला उत्पीड़न से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। एसपी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारियों और थाना प्रभारियों से गूगल मीट के माध्यम से संवाद कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी मार्तण्ड प्रकाश सिंह ने सभी थाना प्रभारियों को शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। भूमि विवाद के मामलों में राजस्व विभाग से समन्वय स्थापित कर मौके पर पैमाइश कराने के निर्देश दिए। महिला उत्पीड़न के मामलों में तत्काल कार्रवाई और संवेदनशील स्थानों पर महिला पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने को कहा। साथ ही साइबर ठगी की शिकायतों पर साइबर सेल को 24 घंटे के भीतर पीड़ितों से संपर्क कर कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए। एसपी ने फरियादियों से शिष्ट व्यवहार करने और आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की हिदायत दी।

विधायक ने राम जानकी मंदिर के जीर्णोद्धार की आधारशिला रखी



संवाददाता–महराजगंज। फरेंदा रोड स्थित टेढ़वा कुटी परिसर में 113 साल पुराने राम जानकी मंदिर के जीर्णोद्धार का काम जल्द शुरू होगा। शुक्रवार को सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन किया और पांच ईंटें रखकर आधारशिला रखी। मंदिर के देखरेखकर्ता संत कुमार वर्मा ने बताया कि मंदिर का निर्माण 1913 में हुआ था। तत्कालीन पुजारी जय गुरुदेव बाबा के सानिध्य में यहां सुबह–शाम पूजा और आरती होती थी। मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण, भगवान श्रीरामचंद्र और लक्ष्मण जी की प्रतिमाएं स्थापित हैं। हर साल श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर यहां जन्मोत्सव होता है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

आधारशिला रखने के बाद विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने कहा कि यह नगर के पुराने धार्मिक स्थलों में से एक है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को बनाए रखने के लिए मंदिरों का निर्माण और संरक्षण जरूरी है। प्राचीन मंदिर आस्था और सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। उनका संरक्षण सभी की जिम्मेदारी है। इस मौके पर संजीव शुक्ला, राकेश गुप्ता, राकेश अग्रहरी, विनोद गुप्ता, संजय पांडेय और अखिलेश्वर राव सहित कई नागरिक और श्रद्धालु मौजूद रहे

110 साल की उम्र में के.एल.गुप्ता का निधन

संवाददाता–गोरखपुर। 110 साल की उम्र में के.एल.गुप्ता का निधन हो गया। के.एल.गुप्ता पूरे 60 साल तक रेलवे कर्मचारियों और मजदूरों की आवाज बने रहे। सालों पहले नौकरी से रिटायर हो चुके के. एल.गुप्ता को दूसरों के लिए जीने की ऐसी आदत पड़ गई कि उम्र भर के लिए मजदूर यूनियन का दफ्तर ही उनका पता–ठिकाना बन गया। रेलवे कर्मचारियों–मजदूरों की तीन पीढ़ियों को उन्होंने अपना नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रदान किया। एक साल पहले तक वह उन्हीं के लिए जिए और उनके मुद्दों पर सड़क पर संघर्षरत भी रहे। अस्वस्थता के चलते पिछले साल उन्होंने ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन के महामंत्री का पद छोड़ दिया था। शुक्रवार को गोरखपुर के पुर्दिलपुर स्थित आवास पर उन्होंने अंतिम सांस ली। के.एल. गुप्ता की जिजीविषा ने उन्हें पूर्वोत्तर रेलवे में सम्मान के उस मुकाम पर पहुंचा दिया था जिसे आज तक कोई दूसरा हासिल नहीं कर सका। शुक्रवार को उनके निधन से महकमे में वर्तमान और पूर्व के हजारों कर्मचारियों–मजदूरों में शोक की लहर है। ऑल इंडिया रेलवे मेन्स फेडरेशन के सहायक महामंत्री के. एल.गुप्ता की 110 साल की जिंदगी में जाने कितने उतार–चढ़ाव आए। उनकी युवावस्था में देश गुलामी की जंजीरें तोड़कर आजाद हुआ। आजादी के पहले गांधीजी के गोरखपुर आगमन की सूचना पाकर दौड़ पड़ने वाले के.एल.गुप्ता आजादी के बाद से लगातार पूर्वोत्तर रेलवे के कर्मचारियों की लड़ाई लड़ रहे हैं। वे लगातार एआईआरएफ के सहायक महामंत्री चुने जाते रहे। 110 साल की उम्र में भी फिटनेस की मिसाल माने जाने वाले के.एल.गुप्ता ने कुछ समय पहले 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में आजादी के पहले के दौर को याद करते हुए बताया था– 'गांधी जी ने जब 'करो या मरो' का नारा दिया तो देश तो उस समय ठंडा ही था।

बोनस को लेकर चालकों ने किया हड़ताल, इलेक्ट्रिक बस सेवा ठप

संवाददाता–गोरखपुर। धनतेरस के दिन ही लोगों को महानगर में आवागमन को लेकर परेशान होना पड़ा। बोनस को लेकर करीब 60 इलेक्ट्रिक बस चालकों ने शुक्रवार को हड़ताल कर महेसरा डिपो में धरने पर बैठ गए। इसके चलते इलेक्ट्रिक बसों का संचालन ठप हो गया। चालकों का कहना था कि उनका वेतन तो मिल गया है लेकिन कंपनी ने दीपावली का बोनस नहीं दिया है। बोनस मांगने पर कोई सही जानकारी नहीं दी जा रही है। मेडिकल कालेज, काली मंदिर, बस स्टेशन, विश्वविद्यालय चौराहा, पैडलेगंज और नोसड़ आदि चौराहों पर लोग बसों का इंतजार कर रहे थे, बस चालक महेसरा डिपो में धरने पर बैठे थे। लोगों की मुश्किलें बढ़ गई थी। सूचना मिलते ही महानगर इलेक्ट्रिक बस संचालन समिति के नोडल अधिकारी लव कुमार सिंह मौके पर पहुंचकर चालकों की समस्याओं को सुना।

नोडल अधिकारी ने मौके पर ही चालकों के अलावा कंपनी संचालक से भी बातचीत की। नोडल अधिकारी के समझाने और आश्वासन के बाद चालकों का हड़ताल समाप्त हो गया। नोडल अधिकारी ने बताया कि बोनस को लेकर चालक धरने पर बैठे थे। उनकी समस्याओं का समाधान करा दिया गया है।

महानगर में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन सामान्य हो गया है। यहां जान लें कि महानगर के विभिन्न रूटों पर 25 इलेक्ट्रिक बसें चलती हैं। यह बसें चौरी चौरा, सहजनवा, कौड़ीराम और पिपराइच तक चलती हैं।

विज्ञप्ति

पत्रांकः–29/2026–27 दिनांक 6–11–2026

राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय 15 शैय्या कोर्ट एरिया बस्ती के निष्प्रयोज्य (लोहा व टीना, लकड़ी) वस्तुओं की नीलामी दिनांकः– 13–11–2026 को चिकित्सालय परिसर मे होगी। सामानों की सूची चिकित्सालय पटल पर चस्पा है। नीलामी का समय 11:00 बजे दोपहर पर निर्धारित है।

प्रभारी चिकित्साधिकारी
राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय
15 शैय्या–कोर्ट एरिया–बस्ती

पांच दिन से लापता 80 वर्षीय वृद्धा का झाड़ियों में मिला शव

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा थाना क्षेत्र के वसुधा गांव में पांच दिन से लापता 80 वर्षीय वृद्धा का शव शुक्रवार सुबह प्राथमिक विद्यालय के पीछे झाड़ियों में मिला। शव मिलने की सूचना से गांव में सनसनी फैल गई। वृद्धा की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। वसुधा गांव निवासी फूल देवी (80) पत्नी स्व. रामराज सिंह पांच दिन पहले अचानक घर से लापता हो गई थीं। परिजन उनकी लगातार तलाश कर रहे थे। उनकी गुमशुदगी की सूचना गांव के विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों में भी प्रसारित की गई थी, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। शुक्रवार सुबह करीब सात बजे कुछ ग्रामीण प्राथमिक विद्यालय के पीछे पहुंचे तो झाड़ियों में एक शव दिखाई दिया।

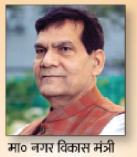
शव से दुर्गंध आ रही थी। करीब जाकर देखने पर उसकी पहचान लापता फूल देवी के रूप में हुई। परिजनों के मुताबिक, फूल देवी मानसिक रूप से बीमार थीं। उनके पति का करीब 20 वर्ष पहले निधन हो चुका था। उनके तीन बेटे और चार बेटियां हैं। सभी की शादी हो चुकी है।

घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। सूचना पर गीडा थाना प्रभारी निरीक्षक अश्वनी पाण्डेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नगर निगम अयोध्या


मा० प्रधानमंत्री


मा० मुख्यमंत्री


मा० नगर विकास मंत्री


मा० महापौर

समस्त नगर वासियों को दीपोत्सव पर्व -2026 की
हार्दिक शुभकामनाएं

सम्मानित नगरवासियों से विशेष आग्रह

1. नगर निगम की सफाई व्यवस्था मे सहयोग करें, सफाई के उपरान्त कूड़ा सड़कों पर न फेंके। सम्बन्धित सफाई मित्र / डोर टू डोर संग्रहण संस्था के वाहन को ही दें।
2. नगर निगम को स्वच्छ सुन्दर रखने हेतु अपने आस पास रिक्त भूमि पर वृक्षारोपण अवश्य करें व वृक्षों का संरक्षण करते हुए पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहयोग करें।
3. घर से निकलने वाले कूड़े को सूखे एवं गीले कूड़े को क्रमशः नीले एवं हरे कूडेदान में रखे व पृथक किये गये कूड़े को ही डोर टू डोर संस्था के सफाई मित्र को दें।
4. पॉलीथीन का प्रयोग कदापि न करें, यह प्रकृति, पर्यावरण एवं स्वयं के सर्वाधिक घातक है। सूती / कॉटन के थैले का उपयोग करें।
5. गृहकर जलकर का समय से भुगतान करके नागरिक दायित्व का निर्वहन करते हुए नगर के विकास में अमूल्य योगदान दें।

आपका सहयोग, हमारा प्रयास

समस्त पार्षदगण नगर निगम अयोध्या
जयेन्द्र कुमार नगर आयुक्त नगर निगम अयोध्या
म० गिरीश पति त्रिपाठी महापौर नगर निगम अयोध्या

उप राष्ट्रपति के आगमन से दीप प्रज्ज्वलन तक, रामनगरी में मजिस्ट्रेटों को अलग–अलग कमान

संवाददाता–अयोध्या। दीपोत्सव के प्रमुख आयोजनों को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने स्थलों के हिसाब से जिम्मेदारियां बांट दी हैं। उप राष्ट्रपति के आगमन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रमों को देखते हुए एयरपोर्ट से श्रीरामजन्मभूमि परिसर, नया घाट, रामकथा पार्क और राम की पैड़ी तक अधिकारियों की तैनाती की गई है। पांच नवंबर को जारी संशोधित आदेश में आयोजन स्थलों, शोभायात्रा, अतिथि दीर्घाओं और यातायात व्यवस्था की निगरानी के लिए अलग–अलग मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। रामकथा पार्क में मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह संपूर्ण व्यवस्था की कमान संभालेंगे। मंच, विशिष्ट अतिथि दीर्घा, संत समाज और मीडिया गैलरी की व्यवस्थाओं के लिए अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। राम की पैड़ी पर अपर जिलाधिकारी अमित कुमार भट्ट आयोजन की निगरानी करेंगे। यहां मुख्यमंत्री के मंच, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संत समाज की दीर्घा और अतिथियों के बैठने की व्यवस्था अलग–अलग अधिकारियों के जिम्मे रहेगी। दीप प्रज्ज्वलन से संबंधित समस्त कार्य अपर जिलाधिकारी नगर एवं मेलाधिकारी दिनेश के नेतृत्व में होंगे। विशिष्ट अतिथियों के आगमन से लेकर दर्शन–पूजन और कार्यक्रम स्थलों तक आवागमन के लिए भी अलग व्यवस्था की गई है। एयरपोर्ट पर अपर जिलाधिकारी कौशल कुमार अतिथियों के आगमन और प्रस्थान की जिम्मेदारी संभालेंगे। अपर नगर आयुक्त भारत और डिप्टी कलेक्टर गजेंद्र सिंह एयरपोर्ट से नया घाट होते हुए श्रीराम जन्मभूमि परिसर तक मार्ग व्यवस्था और शांति व्यवस्था की निगरानी करेंगे। साकेत महाविद्यालय बंधा तिराहे से रामकथा पार्क तक निकलने वाली शोभायात्रा की जिम्मेदारी मुख्य राजस्व अधिकारी गजेंद्र कुमार को दी गई है। उनके साथ जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी और अन्य अधिकारी यात्रा के अलग–अलग हिस्सों में व्यवस्थाएं संभालेंगे।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–100/2022
अब्दुल अजीज
बनाम
वसीदुन्निशा आदि
1/1 महमूद उम्र लगभग 40 वर्ष 1/2 मकसूद उम्र लगभग 36 वर्ष 1/3 मन्सूर उम्र लगभग 32 वर्ष 1/4 बली मो0 उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्रगण स्व0 महबूब 1/5 आबिदा खातून उम्र लगभग 42 वर्ष पुत्री स्व0 महबूब 1/6 तराबुन्निश उम्र लगभग 24 वर्ष पुत्री स्व0 महबूब निवासीगण ग्राम व परगना बभनीपार तहसील उतरौला जिला–गोण्डा हाल मुकाम ग्राम खुर्दा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 07–12–2026
हरगाह मुददई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुददाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुददई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुददाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 07 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
वाद सं0–144/2005
राम प्रकाश
बनाम
श्रीराम आदि
1. श्रीराम (मृतक)
1/2 उर्मिला पत्नी श्रीराम 1/3 प्रमिला पुत्री श्रीराम 1/4 झिलकी पुत्री श्रीराम समस्त साकिनान रुधौली तप्पा रुधौली तहसील रुधौली परगना मगहर पश्चिम जिला बस्ती
तारीख पेशी 05–12–2026
हरगाह मुददई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुददाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुददई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुददाअलेह बनाये जांय।
लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 05 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 312/2026
1– रामवृक्ष प्रजापति उम्र करीब 59 वर्ष पुत्र सहदेव प्रजापति निवासी ग्राम साड़ी तप्पा थरौली पोस्ट मधुकरपुर परगना व तहसील नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर उ0प्र0
प्रार्थी/प्रार्थीगण
बनाम
इस्टेट
तारीख पेशी– 08.01.2027
प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
अपने बड़े पिता मृतक हीरालाल को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।
चूंकि आवेदकगण ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2027 के 01 के 08 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा .10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 2026 के 11 के 05 दिवस को दिनांकित।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती
जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0 279/2025
पुल्कित नरायन –सायलान
1. पुल्कित नरायन उम्र 29 वर्ष पुत्र श्री घनश्याम श्रीवास्तव 2. प्रिया नरायन उम्र 28 वर्ष पुत्री श्री घनश्याम श्रीवास्तव पत्नी राहुल श्रीवास्तव मूल निवासी मकान नं0– 792 शिवनगर तुरकहिया स्काउट भवन के पीछे गांधीनगर बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 24–11–2026
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत जिला जज महोदय बस्ती बतारीख पेशी 24–11–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

रंगोली, दीप निर्माण और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। धनतेरस के अवसर पर शुक्रवार को सनातन ग्लोबल स्कूल हर्रैया में रंगोली, अल्पना, दीप निर्माण एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें नन्हे–मुन्ने बच्चों से लेकर कक्षा नौ तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।
नर्सरी से यूकेजी तक के बच्चों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, रावण, मां सरस्वती और रॉकेट सहित



–धनतेरस पर सनातन ग्लोबल स्कूल में हुआ विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

विभिन्न आकर्षक रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। वहीं कक्षा एक का पांच तक के विद्यार्थियों ने सुंदर एवं आकर्षक दीपों का निर्माण किया। कक्षा छह से नौ तक के विद्यार्थियों ने रंग–बिरंगी रंगोली और पारंपरिक अल्पना बनाकर विद्यालय परिसर को उत्सव के रंगों से सजा दिया। प्रतियोगिता में शांभवी, रुही, अनन्या, रित्वि, क्रियांश और वैष्णवी सहित अनेक विद्यार्थियों ने बड़–चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय की निदेशक कविता त्रिपाठी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह की रचनात्मक गतिविधियों से बच्चों में आत्मविश्वास, कलात्मक अभिरुचि और सृजनात्मक क्षमता का विकास होता है। साथ ही उन्हें भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर दीपों, रंगोलियों और बच्चों की प्रस्तुतियों से जगमगाता रहा।

अदालती नोटिस

अवयस्क प्रतिवादी और उसके संरक्षक की सूचना
(आदेश 32 नियम 3)
न्यायालय–सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 423/1976
हाजी शौकत अली
बनाम
मौलवी इद्रीश
5/2/5 नाजरीन 5/2/6 सलेहा पुत्री गुलाम सरवर जरिये संरक्षिका माता शाहजहाँ व श्रीमती शाहजहाँ वलिया नाजरीन व सलेहा नावालिगान पुत्रीगण गुलाम सरवर निवासीगण मौजा कस्बा मेंहदावल तप्पा मेंहदावल परगना मगहर पूरब तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 16–11–2026
.....अवस्क प्रतिवादी की और .....नैसर्गिक संरक्षक की
चूंकि अवयस्क प्रतिवादी के लिए वादार्थ संरक्षक की नियुक्ति के लिए आवेदन उपरिवर्णित वाद में वादी की ओर से उपस्थित किया गया है, अतएव आप उक्त अवयस्क की ओर आप संरक्षक को एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि जब तक इस सूचना की तामिल अपने पर होने के दिन के अन्दर वादार्थ संरक्षक के रूप में कार्य करने के लिए आप दिनांक **16–11–2026** को 10 बजे या आप अवयस्क के किसी मित्र की नियुक्ति के लिए आवेदन इस न्यायालय से नही कर दिया जाता है तो उक्त वाद के प्रयोजनार्थ अवयस्क के संरक्षक के रूप में कार्य करने के लिए किसी अन्य व्यक्ति को नियुक्त करने के लिए न्यायालय अग्रसर होगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गई।
दस्तखत हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–750/2024
गुड़िया देवी आदि
बनाम
राजेन्द्र प्रसाद वर्मा आदि
1 राजेन्द्र प्रसाद वर्मा उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र पितराम 2. बलजीत चौहान उम्र लगभग 32 वर्ष पुत्र दुखी निवासीगण ग्राम बेलवरिया जंगल तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
3. बालमुकुन्द उम्र लगभग 25 वर्ष पुत्र राम प्रकाश निवासी ग्राम बेलवरिया जंगल तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 18–11–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बवस्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0 डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0– 77/2023
मूलवाद सं0–312/2016
नूरजहॉ
बनाम
एहतशाम (मृतक) आदि
शेरे उम्र लगभग 50 सात पुत्र दयाराम मोहल्ला चर्इयाबारी बस्ती खास तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 11–12–2026
हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश की है।
लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 11 माह 12 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाफिक हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुदा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।
मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–45/2026
हीरा लाल
बनाम
श्रीमती मीरकला आदि
1 श्रीमती मीरकला पत्नी जगदीश निवासिनी ग्राम मुरादपुर तप्पा चरकौना परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 2. राजबहादुर नावालिग उम्र 16 वर्ष पुत्र जगदीश ववालायत जगदीश पिता हकीकी 3. जगदीश पुत्र दुधई निवासीगण ग्राम ग्राम मुरादपुर तप्पा चरकौना परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 08–01–2027
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 01 सन 2027 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाफिक किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बवस्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
प्रकीर्ण अपील सं0–18/2026
न्यायालय– श्रीमान जिला जज महोदय स्थान–सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर
रामनाथ आदि
बनाम
श्रीमती सावित्री देवी आदि
1. श्रीमती सावित्री देवी उम्र करीब 63 वर्ष पत्नी मोतीलाल 2. मोतीलाल उम्र करीब 67 वर्ष पुत्र रामसमुझ समस्त निवासीगण इटवा तप्पा कोट परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर
–विपक्षीगण प्रथम पक्ष
3. घनश्याम उम्र करीब 58 वर्ष पुत्र बहाऊ 4. शंकर उम्र करीब 73 वर्ष पुत्र लाले समस्त निवासीगण इटवा तप्पा कोट परगना बांसी पश्चिम तहसील इटवा जिला सिद्धार्थनगर
वादीगण/रेस्पान्डेन्ट द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 10–12–2026
प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। अपको इस न्यायालय में दिनांक **10–12–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी साखवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
न्यायाधीश

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com